%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 231

No. 142

Lakshmī Narasiṃha Temple at Śimhāchalam<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1118; A. R. No. 350 of 1899;

I. M. P. Vol. III, P. 1684, No. 178 )

Ś. 1203

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शकवरुषंवुलु १२०३ गु-

(२।) नेंटि श्रीमदनंत्तवर्म्म वीरश्रीनरनार-

(३।) सिंह रावुतुदेवर<2> प्रवर्द्धमान वि-

(४।) जयराज्य संवत्सरंवुलु ३ गु

(५।) श्राहि रिषभ शुक्ल अक्षत्रितीय्ययु

(६।) शनि रोहिणिनांडु<3> गगवशमुन

(७।) राजुलकु राज्याभिव्रिद्धिगानु पोतांक्कुश-

(८।) देवुंडु इच्चिन तांभ्र(ब्र)स्तमैन पारुत-

(९।) लगा(ग्रा)मुनि (वि)षयमुलोनि कीडूरुनु

<1. On the forty-ninth pillar of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. He is Narasimha II (1278-9—1308-9 A. D.)>

<3. The date of this inscription needs correction. According to the Indian Ephemeris in the Saka year 1204, the third tithi of the bright fortnight of Vaiśākha (Akshaya trtiyā) fell on Saturday when the Nakshatra was Rohinī. The corresponding date was the 11th April, 128 A. D., Saturday, the 3rd tithi started from the evening when also Rohinī nakshatra appeared.>

%%p. 232

(१०।) जम्मुनुंगा रेंडु उल्लु(रु)नु श्रीनरसि-

(११।) ंहनाथुनिकि अम्रितमणि निवेद्यमु-

(१२।) लु २५ अप्पालु ४० विडिया ४० चंद्द-

(१३।) न कर्प्पूर नेइ अनवालु पुष्पमु

(१४।) ले पैन अविवलि अचंनालकु चीकटिदे-

(१५।) शाधिकारि चलमेत्त गंडु अडुवंडशीलि-

(१६।) सिहासन गंगवशअमात्य अनंत्तजीय्य-

(१७।) नयु नरसि[]ह पुरमाज्जुलु मधुसूदन-

(१८।) पडिरायु नारे(र)णसेनापतुलुनु-

(१९।) वैदु सेनापति जन्नाइ मडलिकु कोष्टक-

(२०।) रण मंडलनायुकुलुनै पूर्व्वदत्त[मु]

(२१।) प्रतिपालिचि इरितमि ई अरगिचिन प्रसा-

(२२।) दमुलोनु माकु प्रसादपरियटालु इ-

(२३।) च्चिन मा आराध्युलु चीय्य मामलनं-

(२४।) वियैन नित्योत्सवदा सयैन अंजन-

(२५।) वु चिगमनायकुनिकि नित्यप्रसाद तल्य

(२६।) ओक्कंडुनु विडिय १ अप्प १ ई रेंडु उडलु

(२७।) पडिशिन संवद्ध आच द्राक्काथाइगा निवंधा-

(२८।) लु नालवु चेल्लुटकु श्रीभडारमुनकु

(२९।) पहिडि तेलिकट्टु अजिगोडवु दिव्यपुरु-

(३०।) पसूक्त पनिवेडसेसि वु(मु)जिं पंगलारु वी-

(३१।) रु पडशिन उलु चीकटिलो कोडूरं जम्मु-

(३२।) नु वोविलिलो मधुवाडयु पोर्रामू-

(३३।) किडानपल्लि काडामुगा उल्लु ५ प ड-

%%p. 233

(३४।) प्रसाद शलउगा गोडनरसिंहदेवर प्रथ-

(३५।) म रेंडवु रात्रिंटि ई मुडु अवसराल

(३६।) सेनापतिदेवर रात्रि तोल्लनिटिन तल्ययु

(३७।) अद्ध(र्द्ध)जामु पप्पुतल्यमन्ननये चल्लंगला-

(३८।) दुमु एडुतरमु लेनिमोदलि वर्षकु वेडिक-

(३९।) कलवारु मातोडि संप्रति उल्लु संप्पाधि(दि)-

(४०।) ंच्चि स्वामिकि समप्पण सेसिडिधि ।। ई धर्म्म-

(४१।) वु श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]